

तारीख
हुकम

५/११/१५

पत्रावली आज पेश हुई।
भितरसीन अधिकारी चुनाव कार्य में
व्यस्त होने से पत्रावली आयन्दा
दिनांक ११/१२/१९ को पेश हो।

११/१२/२०१९

पत्रावली आज पेश हुई।
वादी व प्रतिवादीगण गैर हाजिर।
आदि व अधिकता प्राथीगण वादी के
अदालत द्वारा आवाप लगाने के उपरान्त
हाजिर नहीं हुए। प्रकरण में वादी के
पर्याप्त अवसर दिये जाने के उपरान्त
भी वादी द्वारा प्रतिवादीगण के सम्मन
पेश नहीं किये हैं। वादी आप ही
गैर हाजिर हैं। वादी द्वारा समर्थ पर
अदालत के आदेशानुसार तामिल पेश
नहीं कना एवं अपील लुप्तना
अनुपस्थित रहेना, यह आपने आप
में वादी का यह वाद पत्र के
प्रति अस्वीकार की रक्षिता है।

इस लवेह में अधिधार ९ नियम
२, ५ CPC में स्पष्ट उल्लेख है कि
"जब वादी, सम्मन तामिल के बिना
लौटने के पश्चात न दिखल त बुनये
सम्मन के सिवा पुर आवेदन करने
में अलफल रहना है" वही वाद
अ लारिष किया जाना। इसलए स्पष्ट
है कि प्रकरण में वादी काफी अवसर
दने के अपवाद सम्मन पेश नहीं
किए हैं। उससे पश्चात भी वादी
सम्मन पेश करने में अलमथ रहते हैं।
अतः स्वयं वादी गैर हाजिर हैं।
अतः ऐसी स्थिति में वादी का
वाद के आदेश ९ नियम २, ५ CPC
के तहत लारिष किया जाना है। पत्रावली
मध्यम अंश होकर कलिय कपतर है।
निर्णय आप किये ११/१२/१९ के लरे
इतिपाय कुशल। गण।

(सहायक कलेक्टर)
(एस.डी.ओ.) जालोर

